जो कुत्तों के लिए है, उसे मत खाओ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

निर्गमन 22:31

“तुम मेरे लिए पवित्र लोग होना। इसलिए जो मांस मैदान में
जंगली पशुओं द्वारा फाड़ा गया हो, उसे न खाना; उसे कुत्तों
के लिए फेंक देना।”

शालोम, प्रियजनों,

पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को केवल नियम ही नहीं दिए, बल्कि पवित्र और स्वस्थ जीवन जीने के सिद्धांत भी दिए। निर्गमन 22:31 में परमेश्वर उन्हें आज्ञा देता है कि वे उस पशु का मांस न खाएँ जिसे जंगली जानवरों ने फाड़ा हो। ऊपर से देखने पर यह स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़ा एक व्यावहारिक निर्देश था। खुले मैदान में पड़ा फटा हुआ मांस बीमारी या सड़न से दूषित हो सकता था।

जो कुत्तों के लिए है, उसे मत खाओ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

लेकिन आत्मिक रूप से यह व्यवस्था एक गहरी सच्चाई की ओर संकेत करती है: परमेश्वर के लोगों को यह समझदारी रखनी है कि वे क्या ग्रहण करते हैं—शारीरिक रूप से भी और आत्मिक रूप से भी।

परमेश्वर कहता है,

“तुम मेरे लिए पवित्र लोग होना…” (निर्गमन 22:31)

पवित्रता का अर्थ है अलग ठहराया जाना—केवल पाप से बचना ही नहीं, बल्कि बुद्धि और शुद्धता में चलना। परमेश्वर नहीं चाहता था कि उसका लोग किसी भी संदिग्ध या दूषित चीज़ से पोषण पाए। उसी प्रकार आज भी विश्वासियों को सावधान रहना चाहिए कि वे कौन-सी शिक्षाएँ सुनते और स्वीकार करते हैं।

नए नियम में आत्मिक परख

नए नियम में प्रेरित यूहन्ना इसी आवश्यकता को दोहराता है:

1 यूहन्ना 4:1

जो कुत्तों के लिए है, उसे मत खाओ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

“हे प्रिय लोगो, हर एक आत्मा की प्रतीति न करो, पर आत्माओं को परखो कि वे परमेश्वर की ओर से हैं कि नहीं; क्योंकि बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता संसार में निकल पड़े हैं।”

हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहाँ जानकारी की भरमार है—उपदेश, पॉडकास्ट, सोशल मीडिया की शिक्षाएँ। लेकिन हर वह चीज़ जो “मसीही” कहलाती है, आवश्यक नहीं कि वह बाइबल के अनुसार या सत्य हो। परमेश्वर हमें बुलाता है कि हर शिक्षा को उसके वचन से परखें। केवल प्रेरणादायक लगने से कोई संदेश पवित्र आत्मा से नहीं हो जाता।

बिना परखे ग्रहण करने का खतरा

यदि कोई आपको दुकान में से आधी खुली हुई बोतल दे, तो आप उसे नहीं पिएँगे—क्योंकि आपको नहीं पता कि वह खराब है या ज़हरीली। आत्मिक जीवन में भी यही सिद्धांत लागू होता है। जिन शिक्षाओं या “प्रकाशनों” को हमने समझा नहीं या जिन्हें हमने शास्त्र के अनुसार परखा नहीं, उन्हें लापरवाही से स्वीकार नहीं करना चाहिए।

जो कुत्तों के लिए है, उसे मत खाओ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

नीतिवचन 14:15

“भोला हर एक बात पर विश्वास कर लेता है, पर चतुर अपने चाल-चलन
पर ध्यान देता है।”

यदि हम सावधान न रहें, तो हम ऐसी शिक्षाएँ ग्रहण कर सकते हैं जो हमारे विश्वास को कमजोर कर दें, हमारी पहचान को भ्रमित कर दें, या हमें पूरी तरह भटका दें। इसी प्रकार बहुत से लोग विधर्म, व्यवस्था-वाद या आत्मिक बंधन में पड़ जाते हैं।

परमेश्वर के वचन से स्वयं को पोषित करो

परमेश्वर चाहता है कि हर विश्वासी अपनी आत्मिक भोजन की जिम्मेदारी स्वयं ले। केवल दूसरों की बातों पर निर्भर न रहें—खुद परमेश्वर के वचन में गहराई से जाएँ। पवित्र आत्मा से मार्गदर्शन माँगें:

यूहन्ना 16:13

जो कुत्तों के लिए है, उसे मत खाओ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

“पर जब वह अर्थात सत्य का आत्मा आएगा, तो तुम्हें सब सत्य का मार्ग बताएगा…”

इसका अर्थ है कि हम स्वयं आत्मिक भोजन खोजने की आदत डालें—बाइबल पढ़ें, समझ के लिए प्रार्थना करें, और ऐसी शिक्षा खोजें जो शास्त्र पर आधारित हो। बेरिया के विश्वासियों की तरह बनें:

प्रेरितों के काम 17:11

“वे थिस्सलुनीके के लोगों से अधिक श्रेष्ठ थे, क्योंकि उन्होंने बड़े मन से वचन को ग्रहण किया और प्रतिदिन पवित्र शास्त्र में जाँच करते थे कि ये बातें ऐसी ही हैं या नहीं।”

कुत्तों के समान मत बनो

निर्गमन 22:31 में परमेश्वर कहता है कि फटा हुआ मांस कुत्तों को दे दिया जाए। क्यों? क्योंकि कुत्ते भेद नहीं करते—वे सब कुछ खा लेते हैं। लेकिन हम कुत्ते नहीं हैं। हम परमेश्वर के पवित्र लोग हैं। हमें बुद्धि से चलने के लिए बुलाया गया है, न कि हर बात

जो कुत्तों के लिए है, उसे मत खाओ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

को अंधाधुंध ग्रहण करने के लिए।

यीशु ने भी पवित्र बातों के प्रति चेतावनी दी:

मत्ती 7:6

“पवित्र वस्तु कुत्तों को न दो और अपने मोती सूअरों के आगे न डालो…”

इसलिए स्वयं से पूछिए:

क्या आप जो सिखाया जा रहा है, उसे परखते हैं?

क्या आप जानते हैं कि आपकी आत्मिक भोजन की स्रोत क्या है?

क्या आप नियमित रूप से परमेश्वर के वचन में समय बिताते हैं?

जो कुत्तों के लिए है, उसे मत खाओ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

यदि नहीं, तो अब समय है शुरू करने का। क्योंकि जैसे-जैसे अंत के दिन नज़दीक आते हैं, धोखा बढ़ता जाएगा:

मत्ती 24:24

“क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे
और ऐसे बड़े चिन्ह और चमत्कार दिखाएँगे कि यदि हो सके तो
चुने हुओं को भी भरमा दें।”

जो कुछ आत्मिक दिखाई दे, उसे बिना सोचे मत खाओ। यदि वह फटा हुआ, संदिग्ध या समझौता किया हुआ है—उसे कुत्तों के लिए छोड़ दो।

तुम कुत्ते नहीं हो।
तुम परमेश्वर की संतान हो।
पवित्र बनो। बुद्धिमान बनो। सत्य में दृढ़ रहो।

निर्गमन 22:31

“तुम मेरे लिए पवित्र लोग होना। इसलिए जो मांस मैदान में जंगली पशुओं द्वारा फाड़ा गया हो, उसे न खाना; उसे कुत्तों

जो कुत्तों के लिए है, उसे मत खाओ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

के लिए फेंक देना।”

प्रभु आपको आत्मिक परख और उसकी सच्चाई के लिए गहरे भूख से आशीषित करे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp